तापमान
अधिकतम 38 .0 डिग्री
न्यूनतम 29 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त 2025

11 मोदी-नायब की नीतियों से विकास की राह पर देश-प्रदेश

12 काजल चीन की पहलवान को चितकर लगातार दूसरी बार बनीं विश्व चैंपियन

खबर संक्षेप

कार से टकराकर पलटी ई-रिक्शा, तीन घायल

गोहाना। शहर में जींद रोड स्थित अनाज मंडी के निकट चालक ने अचानक यू-टर्न से कार मोड़ दी। गोहाना से जींद की तरफ जा रही ई-रिक्शा कार से टकराकर पलट गई। रिक्शा में सवार तीन व्यक्ति घायल हो गए। चालक ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

शनिवार दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे चालक विकास ई-रिक्शा में शहर से सवारी लेकर गांव बिचपड़ी जा रहा था। जब ई-रिक्शा शहर में जींद रोड स्थित अनाज मंडी के पास पहुंची तो एक व्यक्ति ने यू-टर्न से अचानक कार मोड़ दी। इससे रिक्शा कार से टकराकर पलट गई। हादसे में रिक्शा का चालक, दो बच्चे घायल हो गए। बच्चों के अभिभावक बाल-बाल बच गए। घटनास्थल पर राहगीरों की भीड़ लग गई। राहगीरों ने पलटी ई-रिक्शा से चालक व यात्रियों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

स्कूल से दरवाजे चोरी का तीसरा आरोपी काबू

सोनीपत। मुरथल पुलिस ने सरकारी स्कूल से लोहे की खिड़की और दरवाजे चोरी में तीसरे आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पहचान जाहिद निवासी गांव असदपुर, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार 30 जुलाई को गांव मछरौला के सरपंच मनोज पुत्र मूलचंद ने पुलिस को शिकायत दी थी कि शाम करीब 5 बजे सूचना मिली कि तीन युवक गांव के सरकारी स्कूल से लोहे की खिड़कियां और दरवाजे उखाड़कर मोटरसाइकिल पर ले गए हैं। जब सरपंच ने गांव मेहंदीपुर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो आरोपितों की पहचान जाहिद, राहुल निवासी नान्दनौर और एक अन्य राहुल निवासी नान्दनौर के रूप में हुई। शिकायत के आधार पर थाना मुरथल पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच टीम के प्रभारी मुख्य सिपाही जोगिन्द्र ने पहले ही दोनों आरोपित राहुलों को गिरफ्तार कर लिया था। अब फरार चल रहा तीसरा आरोपित जाहिद भी पुलिस की पकड़ में आ गया है।

क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते तीन गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर साउथ अफ्रिका व ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते हुए तीन आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में कपिल, लोकेश, विनोद शामिल हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपितो के पास से छह हजार रुपये नकद राशि, छह मोबाइल फोन और एक लैपटॉप व अनरू सामान बरामद किया है। आरोपितो के खिलाफ संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोपित को पुलिस बेल पर जमानत मिल गई।

27 अगस्त तक रुक-रुककर बारिश के आसार, तापमान में गिरावट से राहत

बरसात से उमस गई व मौसम सुहाना किसानों की फसल पर संकट के बादल

शनिवार को हुई बरसात से जहां शहरों में उमस व गर्मी से राहत मिली, तो गांवों में जलभराव से परेशानियां बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गन्नौर। बरसात में बच्चे के साथ अनाज मंडी के सामने जलभराव से गुजरती महिला।

जिले में शनिवार को बदले मौसम के मिजाज ने लोगों को गर्मी और उमस से बड़ी राहत दी। सुबह से आसमान में छाए बादलों के बाद दोपहर बाद हुई करीब एक घंटे की झमाझम बारिश ने तापमान को 29 डिग्री तक पहुंचा दिया। पिछले तीन दिन से तापमान 38 डिग्री के पार जा रहा था और तेज धूप के कारण लोग परेशान थे। शनिवार की बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया और कई लोग छतों और गलियों में निकलकर बारिश का आनंद लेते नजर आए। मौसम विभाग ने अगले चार दिन तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।

लगातार हो रही बारिश से बढ़ी किसानों की परेशानी

बारिश जहां शहरवासियों के लिए राहत लेकर आई, वहीं किसानों की चिंता बढ़ा रही है। लगातार बारिश से जिले के कई गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे खरीफ सीजन की बाजरा और कपास की फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। किसान नेताओं का कहना है कि इस बार इन दोनों फसलों का रकबा पहले से ही पिछले साल के मुकाबले काफी कम है। ऐसे में लगातार हो रही बारिश से पैदावर और घटने की आशंका है। किसानों का मानना है कि जलभराव से खेतों में पौध गलने का खतरा बढ़ा है और इससे उत्पादन को सीधा नुकसान होगा।

सड़कों पर जलभराव यातायात हुआ धीमा

शनिवार को हुई बारिश के बाद शहर की कई कॉलोनियों और मुख्य सड़कों पर पानी भर गया। महारा रोड, गीता भवन रोड, रामलीला मैदान के आसपास और पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पानी जमा होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोगों को पैदल चलने में भी दिक्कत हुई। निगम अधिकारियों का कहना है कि जलभराव हटाने के लिए पंप लगाए गए हैं और बारिश के बाद सफाई व्यवस्था को भी तेज किया गया है।

किसानों के लिए परेशानी बना फसलों को संभालना

किसानों का कहना है कि बार-बार हो रही बारिश से उन्हें अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ रही है। खेतों से पानी निकालने के लिए पंप और पाइप लगाने पड़ रहे हैं। इसके अलावा, कीटनाशकों और दवाओं पर भी खर्च बढ़ रहा है। कपास और बाजरे की पैदावार में गिरावट से किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

गनौर में सड़कों पर जलभराव

गन्नौर। शनिवार को हुई तेज बरसात से गन्नौर की सड़कों पर जलभराव हो गया, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रेलवे रोड स्थित नई अनाज मंडी के सामने, लघु सचिवालय के सामने और जीटी रोड के निकट पानी भरने से यातायात प्रभावित रहा। वहीं खेड़ी रोड व गढ़ी झंझारा रोड भी जलमग्न हो गया। जगह-जगह भरे पानी के कारण वाहन चालकों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। वहीं, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को सड़क पार करने में भी खासी परेशानी हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात होते ही हर बार यही हालात बन जाते हैं। प्रशासन की ओर से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया, जिसके चलते लोगों को भारी मुश्किलें झेलनी पड़ रही हैं। कई कालोनियों व गलियों में भी पानी भरने से लोगों के घरों तक आने-जाने का रास्ता अवरुद्ध हो गया। लोगों ने कहा कि प्रशासन केवल औपचारिकता निभाते हैं, लेकिन जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। लोगों ने मांग की है कि जहां-जहां जलभराव होता है वहां जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि बरसात के दिनों में आमजन को राहत मिल सके।

मौसम विभाग की चेतावनी

मौसम विज्ञानी डॉ. प्रेमदीप (केवीके जगदीशपुर) का कहना है कि कमजोर पड़ा मानसून दोबारा सक्रिय हो गया है। 27 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है। इसके चलते तापमान में कमी बनी रहेगी और उमस से राहत मिलेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी के इंतजाम करें, ताकि फसलों को नुकसान कम से कम हो।

लेनदेन के विवाद में किसान ने फंदा लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

■ माजरा निवासी रामकरण पर लगा आरोप, केस दर्ज

मोहाना थाना क्षेत्र के गांव गुहणा में संदिग्ध हालत में खेत में बने कोठरे में किसान ने फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मोहाना थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के पिता ने व्यक्ति ने रुपये न देने के चलते बेटे द्वारा आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

गांव गुहणा निवासी रोहताश ने बताया कि उसका बेटा प्रवीन (33) खेतीबाड़ी का काम करता है। उसका गांव माजरा निवासी रामकरण के साथ रुपयों का लेनदेन है। काफी समय से रामकरण उसके रुपये नहीं दे रहा था। रुपये मांगने पर धमकी देने लगा। उसका बेटा मानसिक परेशान रहने लगा। उसके बेटे ने खेत में बने कोठरे में फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामले की सूचना मिलते ही मोहाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां एफएसएल की टीम को बुलाया। टीम ने जरूरी नमूने एकत्रित कर शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जांच अधिकारी संदीप ने बताया कि मृतक के पिता की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोप है कि आरोपित से चार से पांच लाख का लेनदेन था। जल्द से जल्द आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवती से अश्लील बातें करने वाला काबू

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र में युवती से अभद्रता करने व उसका पीछा करके अश्लील बाते कहने के आरोप का मामला आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

एक युवती ने गत 22 अगस्त को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह अपने घर से बाहर आते जाते समय एक युवक उसका पीछा करता है। वह उसे चार से पांच साल से जानती है। उसने इस संबंध में विरोध किया तो युवक उससे अभद्रता करने लगा। उसके बाद उससे अश्लील बाते बोलने के साथ जान से मारने की धमकी देने लगा। मामले को लेकर परिजनों को अवगत करवाया। उसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

शनि अमावस्या के दिन यमुना घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब, लगाई डुबकी

गन्नौर। शनि अमावस्या पर गन्नौर के यमुना के बेगा घाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ यमुना नदी में स्नान कर विधिवत पूजा-अर्चना की। यमुना में इन दिनों पानी का तेज बहाव के कारण श्रद्धालुओं को घाट पर सीधे उतरकर स्नान करने में कठिनाई हुई। सुरक्षा की दृष्टि से कई लोग किनारे पर खड़े होकर ही स्नान करने लगे। कई श्रद्धालुओं ने डिब्बों व अन्य बर्तनों से जल निकालकर स्नान किया। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने विशेष सावधानी बरतते हुए यमुना का जल माथे पर चढ़ाकर आस्था व्यक्त की। सुबह से ही घाट पर धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालु स्नान के बाद यमुना किनारे पीपल और बरगद के पेड़ों के नीचे दीपक जलाते दिखे। कुछ श्रद्धालुओं ने नदी तट पर पूजा सामग्री चढ़ाई और शनि देव की विशेष आराधना की। श्रद्धालुओं ने बताया कि शनि अमावस्या पर यमुना स्नान करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और पापों का नाश होता है। यमुना

यमुना के बेगा घाट पर शनि अमावस्या पर स्नान के करते श्रद्धालु।

नदी के बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने भी घाट पर विशेष निगरानी रखी। शनि अमावस्या पर स्नान व पूजा का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए दान-पुण्य से पितृ दोष का निवारण होता है और घर-परिवार में सुख-शांति आती है। कई श्रद्धालुओं ने गरीबों को अन्न, वस्त्र और दान भी दिया। वहीं खेड़ी गुर्जर गांव स्थित स्थित सतकुम्भा धार्मिक स्थल पर भी श्रद्धालुओं ने सतकुमा के कुंड में डुबकी लगाकर पूजा अर्चना की ।

खरखौदा-दिल्ली रूट, बसों की नई समय सारणी बनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

■ विभाग को यात्रियों की मिल रही थी शकायतें, सीएम को शिकायत कर दे चुके हैं चेतावनी।

हरियाणा राज्य परिवहन सोनीपत के महाप्रबंधक संजय कुमार ने खरखौदा- दिल्ली रूट पर नयी समय सारिणी लागू की है। दरअसल दिल्ली रूट के यात्रियों की लगातार शिकायत आ रही थी और समाधान शिविर में भी उक्त शिकायत पहुंच चुकी थी। इतना ही नहीं, वर्णित रूट पर चलने वाले यात्री सीएम को भी शिकायत देने की चेतावनी दे चुके थे। जैसे ही मामला जीएम संजय कुमार के पास पहुंचा तो उन्होंने समय सारिणी में आमूलचूल परिवर्तन कर दिया। इस मामले में चार कर्मचारियों को पहले ही निलम्बित हो चुके हैं। इंस्पेक्टर निरीक्षक रमेश कुमार को विशेष रूप से तैनात किया गया है, ताकि दिल्ली रूट पर चलने वाली सवारियों को कोई दिक्कत पेश न आए।

यात्रियों की मिल रही थी शिकायतें

खरखौदा से दिल्ली जाने वाली बसों के वापस नहीं आने से यात्री परेशान होते थे। कुछ बस चालकों की अपनी बस को बवाना- नरेला जीटी रोड के माध्यम से आईएसबीटी ले जाने की भी शिकायत थी। जबकि रूट बवाना- रोहिणी से था। खरखौदा से दिल्ली रूट की बात करें तो 5 बसें लगाई गई हैं। अब बसें जाएंगी व वापस भी आएंगी। इस रूट पर दिल्ली आईएसबीटी के लिए पहली बस सुबह 5.10 पर बिलबिलान से रवाना होकर छह बजे खरखौदा पहुंचेगी और दिल्ली के लिए रवाना होगी। दोपहर 1.30 बजे वापसी करेगी। दूसरी बस प्रातः 6 बजे फरमाणा से चलकर 6.30 खरखौदा पहुंचेगी और दिल्ली की ओर कूच करेगी। दिल्ली से दोपहर 2.15 बजे लौटेगी। तीसरी बस सुबह 6.45 पर बिधलान से चलकर 7 बजे खरखौदा पहुंचेगी और फिर दिल्ली की तरफ जाएगी। दोपहर बाद 3 बजे दिल्ली से वापस आएगी। चौथी बस प्रातः 7 बजे गढी सिसाना से चलकर 7.30 खरखौदा पहुंचेगी और दिल्ली के लिए रवाना होगी। दिल्ली से दोपहर बाद 3.30 वापस आएगी। पांचवीं बस सुबह 9.15 पर जसराणा से चलकर 9.45 पर खरखौदा पहुंचेगी और दिल्ली की ओर रवाना होगी। दिल्ली से सायं 5.00 बजे वापसी करेगी। यात्रियों की की सुविधा के दृष्टिगत एक बस सायं 6 बजे खरखौदा के लिए चलेगी और 7.30 बजे खरखौदा पहुंचेगी फिर यहां से गोहाना जाएगी।

फायरिंग का 9वां आरोपी रिमांड पर

सोनीपत। बहालगढ़ पुलिस ने फायरिंग कर जानलेवा हमले के नौवें आरोपी अनुज उर्फ रोहणिया निवासी गांव रोहणा को गिरफ्तार कर कोर्ट से दो दिन के रिमांड पर लिया है। 28 फरवरी 2024 बलराम निवासी जाजल ने बताया था कि वह अपने बेटे सौरभ के साथ खेतों में जा रहा था। इसी दौरान गांव के ही पुराने मामूली विवाद के चलते शुभम अपने साथियों सौरभ को रोककर पिस्तौल निकाली। भागने पर आरोपियों ने कई राउंड फायरिंग की। सौरभ गोली लगने से वह बाल-बाल बच गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच टीम के प्रभारी एएसआई राजू ने पहले ही आठ आरोपितों शुभम उर्फ काला, यासीन, सुनील उर्फ लीलू, आमिर, सचिन, पद्म उर्फ राजा, डिंपल और कमल को गिरफ्तार कर लिया था। अब अनुज उर्फ रोहणिया को गिरफ्तार किया है।

■ फरवरी 2024 में खेतों में जा रहे पिता व बेटे पर की थी फायरिंग

बंधीकरण केंद्र का किया निरीक्षण

सोनीपत। मेयर राजीव जैन ने मुरथल स्थित कुत्तों के बंधीकरण एवं टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण किया और कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार कुत्तों की नसबंदी का अभियान तेज होगा व खूंखार कुत्तों के आश्रय स्थल बनाए जाएंगे7 सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को राजीव जैन ने केंद्र का दौरा किया। केंद्र का संचालन कर रही गैर सरकारी संस्था फ्रेन्डिको के

संचालक गोविंद से कुत्तों को गलियों से लाने के बाद रखने वाले कमरे, नसबंदी ऑपरेशन करने के लिए बनाये गए। ऑपरेशन थिएटर तथा नसबंदी के बाद तीन दिन तक रखने, खाने की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान सेंटर पर 7800 के लगभग आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया गया। जिसमे से 7500 की नसबंदी की गई और केवल 3 कुत्तों की मौत हुई। गलियों में से कुत्ते उठाकर नसबंदी करने की सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से दो की मौत

सोनीपत। दिल्ली-अंबाला रेललाइन पर शनिवार सुबह अलग-अलग जगह ट्रेन की चपेट में आने से तीन बच्चों के पिता समेत दो युवकों की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर एक को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया व दूसरा पहचान के लिए मेडिकल कॉलेज रखवा दिया।

■ मूरी एक्सप्रेस और बरौनी एक्सप्रेस से हुए हादसे।

शनिवार सुबह करीब पांच बजे ईदगाह कॉलोनी निवासी सलमान (34) की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। तीन बच्चों का पिता सलमान भवन निर्माण ठेकेदार था। जांच अधिकारी सरिता ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। हिन्दू कन्या कॉलेज के पास ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। बरौनी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने इसकी सूचना दी। जांच अधिकारी अजय कौशिक ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई तथा शव को खानपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

मोबाइल छीनने का अपचारी अभिरक्षा में, बाइक बरामद

सोनीपत। थाना मुरथल पुलिस ने युवक से मोबाइल फोन छीनने की वारदात में संलिप्त एक अपचारी बालक को उसके परिजनों की मौजूदगी में अभिरक्षा में लिया है। आरोपित से घटना में प्रयोग मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है।

■ 30 जुलाई की सुबह पैदल मुरथल की तरफ जाते समय बाइक सवार दो युवकों ने बिहार के दीपक से छीना था मोबाइल

अदालत में पेशी के बाद बालक को न्यायालय के आदेशानुसार बाल सुधार गृह मधुबन भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 30 जुलाई को दीपक निवासी पश्चिमी चम्पारण (बिहार), हाल किरायेदार गांव मेहंदीपुर, सोनीपत ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि सुबह करीब 11 बजे वह मुरथल की ओर पैदल जा रहा था। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और मेहंदीपुर की तरफ फरार हो गए। वारदात की गंभीरता को देखते हुए थाना मुरथल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अनुसंधान टीम के प्रभारी एएसआई सुमित ने पहले ही एक आरोपित वसीम निवासी असदपुर, सोनीपत को गिरफ्तार कर लिया था। आगे की छानबीन में घटना से जुड़े अपचारी बालक को भी पकड़ लिया गया।

गोशाला संचालकों को 4.70 करोड़ के चेक सौंपे

गोवंश का बढ़ाया सम्मानः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गोवंश के सम्मान के संकल्प को प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूरा कर रही है। सरकार गोशालाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। मंत्री ने गोहाना व आसपास के इलाके की गोशालाओं को 4 करोड़ 70 लाख के चारा अनुदान राशि के चेक सौंपे।

शनिवार को मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा नियमित जनसंवाद कार्यक्रम के तहत सिंचाई विश्राम गृह पहुंचे। कार्यक्रम में मंत्री ने भाजपा बरोदा हलका के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान की उपस्थिति में 9 गोशालाओं के संचालकों को अनुदान राशि वितरित की। मंत्री ने कहा कि गऊ आदिकाल से हमारे लिए पूजनीय रही हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 11 साल के दौरान गोशालाओं के विकास, गोवंश संरक्षण व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जो कदम उठाए हैं, उन्हें

डॉ. अरविंद शर्मा गोशाला संचालकों को चेक वितरित करते साथ में हैं पार्टी नेता।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अक्षरक्ष चरितार्थ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को बेसहारा गोवंश से मुक्त करने व गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरन्तर कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

कांग्रेस राज में मात्र था यह बजट

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान प्रदेश में गोवंश संवर्धन पर सालाना 2 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित था। लेकिन बीते साढ़े दस साल में हरियाणा की भाजपा सरकार में यह बजट बढ़ाकर 595 करोड़ रुपए पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिरसा से प्रदेश की 605 गोशालाओं के लिए 88 करोड़ 50 लाख रुपए चारा अनुदान राशि जारी की है, जबकि बीते साढ़े 10 साल में चारे के अनुदान के लिए 270 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

किस गोशाला कितने का चेक

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने धर्मार्थ गोशाला, भटगांव को 1 करोड़ 40 लाख 67 हजार 450, बाबा गगन साध मन्दिर एवं गोशाला तिहाड़ मलिक को 62 लाख 84 हजार 475, श्री मुरलीदास गोशाला, कासंडा को 64 लाख 29 हजार 690, श्री नंदलाला गोधाम समिति ठसका को 53 लाख 22 हजार, श्री कृष्ण भगवान गोशाला बलि ब्राह्मणान को 45 लाख 66 हजार 625, श्री गोपाल कृष्ण गोशाला सेवा समिति गोहाना को 20 लाख 9 हजार 435, श्री कृष्ण आदर्श गोशाला सेवा समिति देवी नगर को 15 लाख 71 हजार 805, राष्ट्र वैदिक परमार्थ ट्रस्ट इंद्रगढ़ी, गोहाना को 7 लाख 83 हजार 450 व भगवान श्री रामप्रसाद जैन गोसेवा सदन गोहाना को 3 लाख 73 हजार 860 रुपये के चेक वितरित किए। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र मुदगिल, प्रवीण खुराना, संजय दहिया, महेंद्र चिड़ाना और सुमित कक्कड़ मौजूद रहे।

गोशालाओं के लिए 88 करोड़ 50 लाख रुपए चारा अनुदान राशि जारी की है, जबकि बीते साढ़े 10 साल में चारे के अनुदान के लिए 270 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं।

मां, भाई और पत्नी का जाली मृत्यु प्रमाण बनवाने का आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। कुण्डली पुलिस ने एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए उस आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसने जाली मृत्यु प्रमाण पत्रों का उपयोग कर अपनी ही मां, बड़े भाई और पत्नी को फै मि ली आईडी में मृत घोषित कर दिया था। जि स की पहचान नवीन, निवासी गांव नाथुपर सोनीपत के रूप में हुई है। जून 2024 को महिला ने बताया कि उनका छोटा बेटा नवीन गलत संगत में रहता है। 24 सितंबर 2023 को जब वह अपने आधार कार्ड के साथ फैमिली आईडी का प्रिंट निकालने गईं तो सीएचसी सेंटर पर उन्हें पता चला कि वह मृत घोषित हैं। जांच करने पर पता चला कि उनके बेटे नवीन ने न केवल उन्हें बल्कि उनके बड़े बेटे सतपाल व पत्नी ज्योति को भी जाली मृत्यु प्रमाण पत्र अपलोड और वेरीफाई करवा कर मृत घोषित करा दिया। कुंडली पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

■ मां सीएचसी पर पीपीपी का प्रिंट लेने गई तो हुआ मामले का खुलासा।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

पक्षियों के लिए घोसले मिट्टी के बर्तन वितरित

सोनीपत। जीवन रक्षक ब्लड समिति व महाराणा प्रताप युवा समाज सेवा समिति और आशीर्वाद ब्लड सेंटर के तत्वाधान में बजाना खुर्द व गुहणा सरकारी स्कूल में पक्षियों के प्रति सेवा भाव से उनके लिए आश्रय व भोजन के लिए मिट्टी के बर्तन प्रदान करने का कार्य किया गया। इस उपलक्ष में एक्स डीटीओ धर्मवीर दहिया, हुकुमचंद भारद्वाज ,नरेंद्र, भूपेंद्र, निशांत और अनिल वर्मा स्कूल के प्रिंसिपल और प्रिंसिपल ईशवंती व अध्यापक कुलदीप, ऋषिकेश गहलावत ने संपूर्ण सहयोग किया। धर्मवीर दहिया ने युवा समाज का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पक्षियों की सेवा हमारे जीवन और समाज में खुशियां और शांति लाती है।

नशे के खिलाफ छात्रों को किया जागरूक

सोनीपत। नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न पुलिस थानों की टीमों ने कई स्कूलों का दौरा किया। इस दौरान, पुलिस अधिकारियों ने छात्रों और स्कूल स्टाफ को नशे के गंभीर दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं, पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को नशे से दूर रहकर सकारात्मक गतिविधियों, जैसे खेलों पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने यह भी अपील की कि अगर उन्हें अपने आसपास कोई भी व्यक्ति नशा करते या बेचते हुए दिखाई दे, तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें। पुलिस ने आश्वासन दिया कि सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में करेज हाउस अव्वल

गोहाना। गोहाना-महम मार्ग पर गांव मदीना में स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में शनिवार को सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में करेज हाउस, पैशन हाउस, एम्बीशन हाउस और इंथूजिएजम हाउस की टीमों ने भाग लिया। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी विकास मलिक का रहा और अध्यक्षता प्राचार्य जगजीत सिंह मलिक ने की। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में करेज हाउस की टीम विजेता रही। इस हाउस की टीम के विद्यार्थी जतिन, हेम, दीक्षित, निर्वी और मानसी थे। प्रतियोगिता में पैशन हाउस की टीम ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। विजेताओं को संस्थान के एमडी विकास मलिक ने सम्मानित किया। कहा कि जीवन में प्रतियोगी परीक्षा को उतीर्ण करने के लिए सामान्य ज्ञान में निपुण होना अनिवार्य है।

मनीषा को न्याय दिलाने के लिए किया प्रदर्शन

गोहाना। शिक्षिका मनीषा को न्याय दिलाने की मांग की मांग को लेकर शनिवार को गांव गढ़ी सराय नामदार खां की की अंबेडकर चौपाल में प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा और हरियाणा अंबेडकर संघर्ष समिति के सांझे तत्वावधान में आयोजित हुआ। नागरिकों ने मामले की न्यायिक जांच करवाकर आरोपितों को सख्त सजा देने की मांग की। भिवानी में गांव ढाणी की बेटी मनीषा 11 अगस्त को घर से निकली थी। उसके दो दिन बाद उसका शव दूसरे गांव के खेतों में मिला था। राजबाला, कुसुम, अनीता, निर्मल, राजो देवी, चांदो देवी, पिंकी, सरोज मौजूद रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम

राज्यस्तरीय वन महोत्सव आज, सीएम करेंगे शिरकत

आईएमटी खरखौदा में होगा समारोहा का आयोजन,कार्यक्रम की तैयारियां पूरी: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 24 अगस्त को आईएमटी खरखौदा में 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिला उपायुक्त ने बताया कि वन महोत्सव में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए पौधारोपण करेंगे और हरियाणा वासियों को ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियों पूरी की गई हैं। उपायुक्त ने बताया कि वन महोत्सव के दौरान 05 एकड़ में सघन वन विकसित करने हेतु 20 हजार पौधे लगाए जाएंगे, जिसमें पौधों के विकसित होने उपरांत रिसर्च अनुसार औसतन 230 लाख लीटर ऑक्सीजन प्रतिदिन पर्यावरण में मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि इन पौधों में विभिन्न प्रजातियों जैसे नीम, बड़, पीपल, शीशम, जामुन, गुलमोहर, शहतूत, बेरी, गुड़हल, तुलसी, नींबू, कढ़ी पत्ता, सोहजना, सीता अशोक, हासिंगार, अमरूद, अमलतास, सतावर, अंगूर बेल, रात की रानी, चांदनी, लहसुन बेल, अंजीर, ईमली, आंवला, आम और पिलखन आदि के औषधीय, धार्मिक, फलदार व छायादार पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे खरखौदा शहर के पास इस विधि से जंगल विकसित करने का पर्याय आमजन को स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। यहां लगाए पौधे जहां कार्बन सोखेंगे, वहीं हरियाली बढ़ाने के साथ ही परागकणों को फैलाने वाले कीट-पतंगों व तितलियों आदि के लिए आवास साबित होंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी मंत्री राव नरबीर सिंह वन महोत्सव की अध्यक्षता करेंगे और सहकारिता, जेल एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली तथा संत निरंकारी मिशन के महासचिव सुखदेव सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उपायुक्त ने बताया कि वन महोत्सव में राई से विधायक कृष्णा गहलावत, गन्नौर से विधायक देवेन्द्र कादियान, सोनीपत से विधायक निखिल मदान तथा खरखौदा से विधायक पवन खरखौदा मौजूद रहेंगे। उन्होंने जिलावासियों का आह्वान किया कि वे वन महोत्सव में भाग लेकर अपने नाम से एक पौधा अवश्य लगाएं ताकि एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन आंदोलन बनाया जा सके जो हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत जरूरी है।

05 एकड़ में सघन वन विकसित करने के लिए 20 हजार पौधे लगाए जाएंगे

खरखौदा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते विधायक पवन खरखौदा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आजाद सिंह नेहरा का स्वागत करते कार्यकर्ता।

सोनीपत। पूर्व सांसद के साथ पूर्व मुख्यमंत्री त्रिपुरा। *फोटो :हरिभूमि*

विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं : पवन

खरखौदा। रोहतक मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में खरखौदा, फरमाना व रोहट मंडल के कार्यकर्ताओं की कार्यशालाएं आयोजित की गई। विधायक पवन खरखौदा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के प्रदेश व देश में 11 वर्ष के कार्यकाल में विकास कार्यों का ब्यौरा जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करना होगा। पार्टी संगठन ही पार्टी को मजबूत बनाने में पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है। संगठन की बदौलत ही पार्टी की जन कल्याणकारी योजनाएं लोगों को लाभ पहुंचा रही है। कार्यकर्ताओं के प्रयासों से केंद्र व प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनी है। अभियानों और कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ-साथ योजना रचना पर भी मंथन किया गया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 सितंबर को जन्म दिवस है, जो स्वच्छता अभियान के तहत मनाया जाएगा। इस दिन स्कूल, अस्पताल, शहीद स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाकर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया जाएगा।

पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान

गन्नौर। शहर के प्राचीन शिव मंदिर के सभागार में शनिवार को भाजपा गन्नौर मंडल के कार्यकर्ताओं की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आजाद सिंह नेहरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा के इतिहास पर प्रकाश डाला। नेहरा ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और बलिदान के बल पर आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यशाला में जिला महामंत्री नीरज ठरू, नगर पालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी, मनिंदर सन्नी, सुभाष सरोहा, विकास त्यागी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोदी व नायब सैनी की नीतियों से देश प्रदेश विकास के पथ पर : बिप्लब देब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा प्रदेश सह प्रभारी बिप्लब देब शुक्रवार देर शाम सोनीपत पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व सांसद रमेश कौशिक के आवास पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा संगठन को मजबूत करने और आने वाले समय में पार्टी की रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक, शशिकांत कौशिक, निगम पार्षद पुनीत राई, पूर्व पार्षद सुरेंद्र मोहन शर्मा, प्रकाश त्यागी सहित कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बिप्लब देब ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विश्व पटल पर नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की विकासपरक नीतियों और हर वर्ग के लिए लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंच रहा है। प्रदेश सह प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं और जनता से संवाद स्थापित करें। कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं और उनकी मेहनत से ही संगठन नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है। पूर्व सांसद रमेश कौशिक ने भी अपने विचार रखते कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा जनहित को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनसेवा में जुटने की अपील की।

रक्तदान महादानः शेखर आंतिल

- जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन सराहनीय कामः शेखर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

रक्तदान शिवर का आयोजन रेणु विद्या मंदिर (दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु समर्पित संस्थान) एवं माँ भारती रक्तवाहिनी के सहयोग से किया गया। शिविर संस्थान के संस्थापक एवं चेयरमैन नानक चंद गुप्ता ने व भाजपा युवा नेता एवं जखोली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल ने संयुक्त रूप से किया। युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया । भाजपा युवा नेता एवं जखोली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल ने कहा कि शिविर का उद्देश्य खानपुर पी.जी.आई. में रक्त की कमी को पूरा करना था, ताकि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समय पर जीवनदायिनी रक्त उपलब्ध कराया जा सके। भाजपा युवा नेता शेखर आंतिल ने संस्था के अध्यक्ष नानक चंद गुप्ता की सराहना करते कहा कि जन्मदिन पर रक्त दान शिविर लगाना बहुत ही सराहनीय काम है। रक्तदान महादान है इसलिए हमें समय-समय पर करते रहना चाहिए । रक्तदान से किसी दुर्घटना में घायल युवक की जान को बचाया जा सकता है । वे रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में आगे बढ़ें। इस प्रकार के आयोजन समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। चेयरमैन नानक चंद गुप्ता ने सभी उपस्थित अतिथियों, छात्रों और स्टाफ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जीवन का असली आनंद दूसरों की सेवा में है और रक्तदान सबसे बड़ा दान है। शिविर की व्यवस्था में स्कूल के शिक्षकों ने सहयोग किया ।

राई। भाजपा युवा नेता एवं जखोली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र देते। *फोटो :हरिभूमि*

सीएम के सामने उठाई जाएगी कर्मचारियों की मांग

जिला पार्षद संजय बड़वासनियां के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिलेगा प्रतिनिधि मंडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कर्मचारियों की मांग और चुनाव से पहले किए गए वादे लागू न करने के विरोध में जिला पार्षद संजय बड़वासनियां के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेगा। रविवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राज्य स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचेंगे। इसी दौरान प्रतिनिधि संजय बड़वासनियां के नेतृत्व में उनसे मुलाकात कर अपनी मांगों से अवगत कराएगा। शनिवार रिटायर्ड कर्मचारी कांग्रेस सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष ऋतुराज, सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधि युधिष्ठिर, जिला पार्षद रविंद्र, जिला पार्षद जयसिंह, विजय और गुलशन ने रूपरेखा तैयार की। संजय बड़वासनियां ने बताया कि नगर निगम के सफाई कर्मचारियों सहित हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग हैं। 'लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत प्रति महिला को 2100 रुपये की आर्थिक सहायता और बीपीएल परिवारों को 100 गज के प्लाट, जिनमें पानी, बिजली और पक्की गलियों की व्यवस्था हो। वहीं, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 500 रुपये में रसोई गैस सिलिंडर उपलब्ध कराना। जैसी मांग पूरी की जाएं। ये मांगे भाजपा ने अपने चुनावी घोषण पत्र में भी शामिल की थी। बड़वासनिया ने कहा कि सरकार बने नौ महीने से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अभी तक चुनावी वादों को पूरा नहीं किया गया है। प्रदेश में लगातार कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है और महंगाई से आम जनता त्रस्त है। इन मांगों को अब वे मुख्यमंत्री के सामने रखें।

सोनीपत। बैठक करते पार्षद व अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

प्रतियोगिताएं बच्चों के चंहुमुखी विकास व सामाजिक जागरूकता के लिए जरूरी

नवज्योति शिक्षा सदन में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

नवज्योति शिक्षा सदन में शनिवार को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के करीब 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय अंगदान, नेत्रदान, रक्तदान और देहदान रखा गया। विद्यार्थियों ने चित्रों के माध्यम से दान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कक्षा 9वीं से अनीशा व ईशान कटारिया प्रथम, कक्षा 10वीं से गौरव, अंशु व पायल प्रथम, 11वीं से लकी व वंशिका प्रथम, 12वीं से खुशी प्रथम स्थान पर रहे। प्रधानाचार्य राजेंद्र कौशिक ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के चंहुमुखी विकास व सामाजिक जागरूकता के लिए जरूरी हैं। निर्णायक की भूमिका बलवान ने निभाई।

गन्नौर। प्रतिभागी छात्रों के साथ स्कूल प्रधानाचार्य राजेंद्र कौशिक व स्टाफ।

स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में आयोजित एमयूएन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

एमयूएन प्रतियोगिता का आयोजन

सोनीपत। स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहता है। इसी कार्यक्रम के दिन शनिवार को दो दिवसीय अंतर सदनीय एमयूएन (मॉडल यूनाइटेड नेशन) का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में 150 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें विविध राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार रखे एवं सार्थक बहस की। निर्धारित समितियों में एआईपीपीएम समिति, यूनिसेफ समिति, यूएनओडीसी, यूएनएचआरसी, यूएनएससी के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी बात रखी एवं बहस को एक सार्थक निष्कर्ष की ओर लेकर गए। प्रतियोगिता का परिणाम 24 अगस्त को आयोजित भव्य समापन समारोह में घोषित किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक अंदलीब जुहा ने इस तरह के समसामयिक विषयों पर सार्थक बहस में सहभाग लिए सभी को धन्यवाद दिया एवं विद्यार्थियों को एक जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित किया। प्रधानाचार्य रोहित पंडा, मुख्याध्यापक एसपी सिंह, सहित सभी अध्यापक–अध्यापिका मौजूद रहे।

खरखौदा। विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रदीप श्योराण। *फोटो :हरिभूमि*

आत्मविश्वास सफलता की कुंजी : प्रदीप

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल द्वारा स्टार्टअप : समस्याएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. तरना नेगी के मार्गदर्शन और महाविद्यालय प्रभारी डॉ. योगेश बाजवान व प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. योगेन्द्र रांगी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में रोहतक के बागड़ी मिल्क पार्लर के संस्थापक प्रदीप श्योराण ने शिरकत की। उन्होंने अपने उद्यमिता के सफर को साझा करते स्टार्टअप शुरू करने में आने वाली समस्याओं व चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास, धैर्य और निरंतर प्रयास ही किसी भी स्टार्टअप की सफलता की कुंजी हैं। अंत में डॉ. सुषमा ने उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मांग अब सरकार की जिम्मेदारी इस कार्य को तय समय सीमा में पूरा करवाएं: विधायक

विधायक इंदुराज नरवाल ने विधानसभा में सड़क निर्माण और मरम्मत का मुद्दा उठाया

- महमूदपुर–सैनीपुरा मार्ग की मरम्मत कार्य 82 लाख 31 हजार की लागत से शीघ्र शुरू होगा
- 15 सड़कों का मरम्मत कार्य 21 करोड़ 41 लाख 14 हजार रुपये की लागत से मार्च 2026 तक पूर्ण होगा, मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

बरोदा विधानसभा क्षेत्र के विधायक इन्दुराज नरवाल (भालू) ने विधानसभा में गोहाना–बरोदा–जुलाना मार्ग सहित क्षेत्र की 27 अन्य सडक़ों के निर्माण एवं मरम्मत का मुद्दा उठाया। विधायक ने कहा कि अब सरकार की जिम्मेदारी है कि इस कार्य को तय सीमा में पूरा करवाया जाए। इस पर लोक निर्माण (भवन एवं सडक़) मंत्री रणबीर गंगवा ने सदन को सड़कों के निर्माण व मरम्मत करवाने के लिए आश्वस्त किया। इंदुराज नरवाल के अनुसार गोहाना–बरोदा–जुलाना मार्ग (21.50 किमी) का निर्माण कार्य 27 करोड़ 28 लाख 72 हजार रुपये की लागत से नवंबर 2025 तक प्रारंभ हो जाएगा। महमूदपुर–सैनीपुरा मार्ग की मरम्मत कार्य 82 लाख 31 हजार रुपये की लागत से शीघ्र शुरू होगा। 15 सड़कों (39.87 किमी) मरम्मत कार्य 21 करोड़ 41 लाख 14 हजार रुपये की लागत से मार्च 2026 तक पूर्ण होगा। इसके अलावा 13 सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य वर्क प्रोग्राम 2026–27 में शामिल किया जाएगा।

इन सड़कों की मरम्मत होगी

सरकार द्वारा महमूदपुर–सैनीपुरा, बनवासा–छपरा, दुराणा–भादोठी, जवाहरा–भादोठी, गोहाना–लाखनमाजरा रोड से बरोदा मोड़ ठुठान, जवाहरा–कुराना, बिलबिलान–आंवली–फरमाना लिंक रोड, मोई–हुड्डा–रभड़ा–सिकंदरपुर माजरा–खेड़ी दमकन–न्यात–ककाना रोड, बुटाना–गंगाना–राणाखेड़ी वाया सिवाना माल, गोहाना–जींद रोड–रूखी वाया एनएच-71ए–बरोदा–मदीना, चिड़ाना–शामड़ी–बजाना रोड, मैंसवाल कलां–बिधल–मोई–बजाना–पुघथला रोड, मोई हुड्डा फिरनी, गुढ़ा रोड गोहाना, गोहाना–सफीदों रोड, आंवली–रिवाड़ा रोड, सिकंदरपुर माजरा–बरोटा, ईशापुर खेड़ी–गंगाना रोड, बिचपड़ी–गंगाना, बुसाना–कुराना, बुसाना–मातंड, मातंड–छैतहरा–कुराना रोड, रिढ़ाना–घड़वाल, सीनियर सैकेंडरी स्कूल–बरोदा मोड़ राजूवाला गोहर व स्कूल–ड्रेन मार्ग, कथूरा–छपरा, कथूरा डिग्गी–बरोदा चौक एवं चिड़ाना–बवाना लाखू की मरम्मत करवाई जाएगी।

बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया

सोनीपत। प्रस्तुति देते हुए बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लिटल एंजल्स स्कूल के जूनियर विंग के बच्चों द्वारा इस वर्ष जूल्स वर्न रचित 'अराउंड द वर्ल्ड इन ऐटी डेज़' इंग्लिश प्ले की शानदार प्रस्तुति दी गई। विद्यालय में प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले 'साहित्य दिवस' के उपलक्ष्य में इस वर्ष भी इंग्लिश प्ले का आयोजन किया गया है, जिसमें विद्यालय के जूनियर विंग के बच्चों के द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान माननीय अतिथियों में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ कमलेश मलिक, रिटायर्ड प्रोफेसर श्री सी.डी. गिरधर जी, शिशु विशेषज्ञ डॉ अतुल गिरधर उपस्थित थे। इनके साथ विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल, उपप्रधानाचार्या गीता अरोड़ा, मुख्याध्यापिका भारती दत्ता व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इनके साथ इस कार्यक्रम में सोनीपत जिले के कई शिक्षाविद्, अनेक स्कूलों के प्रधानाध्यापक, अध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात आए सभी अतिथियों को प्रधानाचार्या आशा गोयल ने पौधे देकर उनका स्वागत किया। उपप्रधानाचार्या गीता अरोड़ा ने आए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया और प्ले के बारे में बताते इसे 'जूल्स वर्न' का एक सर्वोच्च नाटक बताया। हर वर्ष इंग्लिश प्ले का मंचन करने का उद्देश्य न केवल अपने विद्यालय के छात्रों को अपितु शहर के अन्य छात्र-छात्राओं को थियेटर, ड्रामा व साहित्य से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करना है।

संघर्षों को मात देकर सोनीपत की बेटी ने रचा इतिहास, घर में जश्न का माहौल

काजल चीन की पहलवान को हराकर लगातार दूसरी बार बनीं विश्व चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत की धरती ने एक बार फिर विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन कर दिया है। गांव लाठ की बेटी काजल ढोचक ने बुल्गारिया के समोकोव में आयोजित अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर लगातार दूसरी बार विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया। 72 किग्रा वर्ग के फाइनल में काजल ने चीन की लियू युकी को रोमांचक मुकाबले में 8-6 से हराया।

टैक्सी चालक रविंद्र ढोचक और बबीता की बेटी काजल की यह जीत केवल खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि संघर्ष, जज्बे और सपनों को साकार करने की प्रेरणादायक कहानी भी है। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने अपने चाचा और गुरु कृष्ण ढोचक के मार्गदर्शन में बचपन से कुश्ती की बारीकियां सीखीं और मेहनत व लगन से यह मुकाम हासिल किया। अपनी ऐतिहासिक जीत का श्रेय काजल ने अपने माता-पिता और गुरु को दिया।

- एक बार फिर विश्व स्तर पर भारत का नाम किया रोशन
- चीन की लियू युकी को 8-6 से हराया
- माता-पिता व गुरु को दिया जीत का श्रेय

सोनीपत। जीत के बाद तिरंगा के साथ खुशी जाहिर करती काजल ढोचक।

मौजूदा चैंपियन को भी दी पटखनी

इस प्रतियोगिता में काजल का सफर दमदार रहा। प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने बुल्गारिया की एमिली मिहायलोवा अपोस्टोलोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 15-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान की कायिरकुल शरशेबाएवा को 7-0 से मात दी। सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन अमेरिका की जैस्मिन डोलोरेस रॉबिन्सन को 13-6 से चित कर उन्होंने अपने खिताब के प्रबल दावेदार होने का सबूत दिया।

घर में जश्न, गांव में गर्व का माहौल

काजल की जीत की खबर मिलते ही उनके सेक्टर-23 स्थित घर में जश्न का माहौल है। मां बबीता ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सोनीपत लौटने पर बेटी का भव्य स्वागत होगा और उसे उसका पसंदीदा चूरमा खिलाया जाएगा। चाचा और गुरु कृष्ण ढोचक का कहना है कि काजल का अगला लक्ष्य 2028 ओलंपिक है। जिस जुनून और समर्पण के साथ वह खेल रही है, उन्हें भरोसा है कि वह ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीतकर देश का सपना पूरा करेगी।

जिला स्तर पर खरखौदा के खिलाड़ियों ने जीते 30 पदक

खरखौदा। गोहाना में आयोजित जिला स्तरीय स्कूली कराटे चैम्पियनशिप में प्रताप स्कूल खरखौदा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 पदक अपने नाम किए। इनमें 15 स्वर्ण, 6 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर स्वर्ण पदक विजेता विद्यालय के 15 खिलाड़ियों का चयन स्टेट चैम्पियनशिप के लिए हुआ है। अंडर -14 के -30 किग्रा भार वर्ग में दिव्यांक, -45 किग्रा भार वर्ग में अजान व -60 किग्रा भार वर्ग में कार्तिक ने स्वर्ण जीता। -35 किग्रा भार वर्ग में आशीष, -40 किग्रा भार वर्ग में दिलजीत व -55 किग्रा भार वर्ग में तन्मय ने कांस्य पदक जीता। अंडर-17 वर्ग : जयेश (-66 किग्रा, स्वर्ण), हर्षित (-70 किग्रा, स्वर्ण), वंशु (-74 किग्रा, स्वर्ण), आदित्य (+82 किग्रा, स्वर्ण), सौरभ (-35 किग्रा, रजत), लोकेश (-58 किग्रा, रजत), समीक्ष (-40 किग्रा, कांस्य), यमन (-45 किग्रा, कांस्य), धीरज (-50 किग्रा, कांस्य), पुलकित (-54 किग्रा, कांस्य), तक्ष (-62 किग्रा, कांस्य)। अंडर-19 वर्ग : प्रतिक (-54 किग्रा, स्वर्ण), दिपांशु (-62 किग्रा, स्वर्ण), अनंत (-70 किग्रा, स्वर्ण), सुमित (-74 किग्रा, स्वर्ण), दिवाश (-78 किग्रा, स्वर्ण), वंश (-82 किग्रा, स्वर्ण), कृष्ण (+82 किग्रा, स्वर्ण), निखिल (-35 किग्रा, रजत), पर्वीन (-50 किग्रा, रजत), आर्यन (-58 किग्रा, रजत), शिवम दाबस (-66 किग्रा, रजत)। विद्यालय लौटने पर विजेता खिलाड़ियों का प्रांगण में फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। समारोह में द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, चौ प्रताप सिंह मैमोरियल शिक्षा समिति के प्रधान वेदप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया और कोच जगमेन्द्र पांचाल ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया ने कहा कि आज के विजेता खिलाड़ी हमारे लिए केवल पदक विजेता नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा हैं। एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने बताया कि विद्यालय की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन और उपयुक्त वातावरण मिलने पर ग्रामीण क्षेत्र का बच्चा भी विश्व स्तर पर पहचान बना सकता है।

लक्ष्मी मॉर्डन स्कूल की टीम ने जीती कबड्डी प्रतियोगिता

गोहाना। शैक्षणिक खंड मुंडलाना के गांव बिचपड़ी स्थित लक्ष्मी मॉर्डन स्पोर्ट्स स्कूल की टीम जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में विजेता रही। शनिवार को स्कूल में विजेता टीम को ट्राफी प्रदान करके सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि शैक्षणिक खंड मुंडलाना के खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार पंघाल थे। नेतृत्व मेजबान स्कूल के एमडी मनजीत लाठर का रहा। अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्या पूनम लाठर ने की। शिक्षा विभाग द्वारा सोनीपत स्थित साउथ प्वाइंट स्कूल में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं करवाई गई। इन खेलों में लक्ष्मी मॉर्डन स्पोर्ट्स स्कूल की टीम कबड्डी प्रतियोगिता में अव्वल रही। इस टीम के खिलाड़ी यश, वंश, अंशुल, वंश, सौरभ, विपिन, नकुल और मयंक थे।

सोनीपत। चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री, साथ तन्मय बेनीवाल व अन्य।

जिला स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में साउथ पॉइंट के तन्मय बेनीवाल विजेता

सोनीपत। जिला स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में साउथ पॉइंट स्कूल के छात्र तन्मय बेनीवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 आयुवर्ग के 38 से 40 किलो भार वर्ग में स्वर्णिम सफलता पाई। यह प्रतियोगिता लिटिल एंजल्स स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 18 से 19 अगस्त तक आयोजित की गई थी। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तन्मय का चयन अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जिले की टीम में किया गया है। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विजेता खिलाड़ी को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए बधाई दी। चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने कहा कि तन्मय की जीत पूरे संस्थान के लिए गौरव का क्षण है। कार्यकारी अधिकारी डॉ. ममता सचदेवा ने भी विजेता खिलाड़ी को जीत की बधाई दी। तन्मय की यह जीत उसी प्रयास का परिणाम है। हमें राज्य स्तर पर भी उससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

नितेश और हर्षिता का राज्य स्तर पर चयन

खरखौदा। क्रिकेट कोच प्रवेश दहिया ने बताया कि बाबा हरिदास क्रिकेट एकेडमी खरखौदा में क्रिकेट सीखने वाले प्लेयर्स ने अलग अलग स्कूलों से स्कूली गेम्स में भाग लिया और एक साल में ही बाबा हरिदास क्रिकेट एकेडमी खरखौदा से मयंक, हार्दिक, अहिल, कुनाल, परीक्षित, नितेश, प्रत्यक्ष, देव, कार्तिक, विनय, टीनू और हर्षिता का चयन जिला स्तर पर हुआ और जिला स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने पर नितेश दहिया और हर्षिता का चयन राज्य स्तर पर हुआ। एकेडमी में बच्चों ने मिठाईयां बांट कर खुशी जाहिर की। कोच ने बताया कि कम समय में ही बाबा हरिदास क्रिकेट एकेडमी के प्लेयर्स जिले में शानदार प्रदर्शन कर रहे है और भविष्य में ये प्लेयर्स देश, विदेश में नाम रोशन करेंगे।

रतिराम स्कूल की वॉलीबॉल टीम का शानदार प्रदर्शन

- अंडर-19 व अंडर-14 गर्ल्स प्रतियोगिता में पाया दूसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रतिराम स्कूल खुबडू की बालिका वॉलीबॉल टीम ने अपनी कड़ी मेहनत और उम्दा खेल कौशल के दम पर अंडर-19 वर्ष गर्ल्स और अंडर-14 वर्ष गर्ल्स टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता हरियाणा स्कूल गेम्स सेमीफाइनल स्तर पर गन्नौर स्थित आर.पी.एस. ग्राउंड में आयोजित की गई। प्रधानाचार्य रविंद्र धनखड़ ने बताया कि खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से सभी का दिल जीत लिया। अंडर-19 वर्ष की बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता में रतिराम स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले दौर में टीम को बाय मिला। इसके बाद खेले गए दूसरे मैच में रतिराम स्कूल और फरमाना सरकारी स्कूल आमने-सामने हुए। फाइनल मुकाबला रतिराम स्कूल बनाम नवज्योति स्कूल के बीच खेला गया। यहां भी खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 15 अंक हासिल किए, जबकि नवज्योति स्कूल की टीम केवल 07 अंक ही जुटा सकी। इस जीत के साथ रतिराम स्कूल की अंडर-19 गर्ल्स टीम ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया और सभी का गौरव बढ़ाया। अंडर-14 वर्ष की प्रतियोगिता में भी रतिराम स्कूल की टीम ने शानदार खेल दिखाया और फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल मुकाबला रतिराम स्कूल और रिवाड़ा स्कूल के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बराबरी का खेल दिखाते हुए 14-14 अंक अर्जित किए। रतिराम स्कूल की अंडर-14 गर्ल्स टीम जिले में दूसरे स्थान पर रही। प्रधानाचार्य रविंद्र धनखड़ ने बताया कि खिलाड़ियों की मेहनत, कोचिंग स्टाफ के सहयोग से छात्रों ने बाजी मारी है।

गन्नौर। गर्ल्स वॉलीबॉल टीम का सम्मान करते रतिराम स्कूल के प्रधानाचार्य रविंद्र धनखड़ व स्टाफ।

जिला स्तरीय योग खेल प्रतियोगिता का आयोजन

सोनीपत। जिला स्तरीय खेल जिला शिक्षा अधिकारी एवं खेल अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुए। इस संदर्भ में जिला स्तरीय योग खेल 14,17,19 आयु वर्ग की छात्र-छात्राओं का योग प्रतियोगिता एस. एम. हिंदू विद्यालय में दिनांक 18 से 21 तक आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भदाना के छात्र-छात्राओं ने अपना परचम लहराते हुए 12 बच्चों का राज्य स्तरीय खेलों के लिए चयन हुआ। बच्चों का विद्यालय में पहुंचने पर प्रधानाचार्य डॉक्टर सुमन लता एवं समस्त स्टाफ ने बच्चों का फूल माला से स्वागत किया और प्रधानाचार्य जी ने राज्य स्तरीय योग खेल प्रतियोगिता जो की रेवाड़ी में 16 से 18 होगी उसके लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी और सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

दून स्कूल के विद्यार्थी ने स्कूल का नाम किया रोशन

जिला योगासन प्रतियोगिता में सिद्ध ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना-पानीपत मार्ग स्थित दून पब्लिक स्कूल के होनहार खिलाड़ी सिद्ध ने जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया। शनिवार को सिद्ध को स्कूल में एमडी राजेश कुमार और प्राचार्या ज्योति छाबड़ा ने समारोहपूर्वक सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के खेलों में कौशल विकास के लिए जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। खेलों में जिला सोनीपत क्षेत्र के विभिन्न राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता करके अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित की। खिलाड़ी सिद्ध ने इन खेलों में योगासन प्रतियोगिता में अपने कला-कौशल का प्रदर्शन करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के लिए कर लिया गया। सिद्ध की इस सफलता में उनकी कोच प्रियंका मलिक का विशेष योगदान रहा।

गोहाना। खिलाड़ी सिद्ध व उनकी कोच प्रियंका को सम्मानित करते हुए एमडी राजेश कुमार।

शास्त्री नगर में पेयजल आपूर्ति लाइन के लिए खोदे गड्ढे दो सप्ताह से नहीं किए बंद

- परेशान वार्ड वासियों ने नारेबाजी कर रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

नगरपालिका के वार्ड नंबर 12 शास्त्री नगर में जल जीवन मिशन के तहत बिछाई जा रही पेयजल आपूर्ति लाइन लोगों के लिए परेशानी का बड़ा सबब बन गई है। वार्ड की महिलाएं कविता, सुशीला, पारस, फूलपत्ती, मंजू, राधा रानी, लक्की राजरानी, उषा, संतोष, मुकेश जैन, पूर्व नगरपालिका चेयरमैन सुनील लंबू सहित अन्य लोगों ने ठेकेदार और विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए रोष प्रकट किया। वार्डवासियों का कहना है कि ठेकेदार जल्दबाजी में केवल पाइप दबाने का कार्य कर रहा है, लेकिन पाइप डालने के बाद उखाड़ी गई गलियों और सड़कों की मरम्मत नहीं की जा रही। इस धूल, कीचड़ और गड्ढों के कारण रोजाना घर से निकलते समय भारी कठिनाई झेलनी पड़ रही है। बरसात होने पर और ज्यादा परेशानी बढ़ जाती है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाते समय गिर पड़ते हैं, वहीं बुजुर्गों को चलना भी दूभर हो गया है। लोगों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार केवल फाइलों में काम पूरा दिखाकर भुगतान लेना चाहता है, जबकि काम अधूरा और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से किया जा रहा है। उनकी मांग है कि ठेकेदार की जवाबदेही तय की जाए और अधूरे कार्यों की तुरंत समीक्षा कराई जाए।

गन्नौर। वार्ड नंबर 12 शास्त्री नगर की महिलाएं गड्ढे बंद न करने से परेशान होकर नारेबाजी करते हुए।

वर्षों पहले बनवाया गया स्लाटर हाउस बना गंदगी का अड्डा

गन्नौर। नगर पालिका द्वारा मीट विक्रेताओं की सुविधा के लिए लाखों रुपये की लागत से वर्षों पहले बनवाया गया स्लाटर हाउस आज खुद गंदगी और कूड़े का अड्डा बनकर रह गया है। नगरपालिका की लापरवाही और उपेक्षा के चलते यह स्लाटर हाउस कभी स्थायी रूप से शुरू ही नहीं हो पाया। जिसके चलते शहरभर में मीट विक्रेता खुले में सड़क किनारे मांस बेचने को मजबूर हैं। इससे न केवल स्वच्छता नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासियों सुरेंद्र, महेंद्र और सुलेख ने बताया कि स्लाटर हाउस का उद्देश्य मीट विक्रेताओं को उचित स्थान उपलब्ध कराना और लोगों को शहर के बाहर मीट उपलब्ध कराना था। लेकिन लंबे समय से संचालन शुरू न होने के कारण बाजारों व गलियों में खुले में मांस काटने और बेचने का काम चल रहा है। इससे फैलने वाली दुर्गंध से आसपास के लोग परेशान हैं और संक्रमण व बीमारियों का डर बना हुआ है।

रेणु विद्या मंदिर में मनाया चेयरमैन नानक चंद गुप्ता का 78वां जन्मदिवस

- छात्रों और शिक्षकों ने चेयरमैन गुप्ता को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर अपनी श्रद्धा और शुभकामनाएं प्रकट कीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

रेणु विद्या मंदिर, बहालगढ़ में विद्यालय के संस्थापक एवं चेयरमैन नानक चंद गुप्ता का 78वां जन्मदिवस पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय और कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा स्टाफ सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ रेणु विद्या मंदिर के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जन्मदिवस गीत गाकर किया। उनके मधुर स्वर और मासूम उत्साह ने समारोह का माहौल भावनात्मक बना दिया। इसके बाद विद्यालय के छात्रों और अर्बन क्रू की टीम द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य और प्रेरणादायक नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल विभिन्न प्रस्तुतियों ने समारोह की भव्यता को और भी बढ़ा दिया और विद्यार्थियों की प्रतिभा को सामने लाया। विद्यालय की निदेशिका ध्वनि गुप्ता ने नानक चंद गुप्ता के प्रेरणादायक जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि उनके मार्गदर्शन और दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि आज रामेश्वर सेवा संस्थान और रेणु विद्या मंदिर जैसी संस्थाएं शिक्षा के क्षेत्र में एक मिसाल बन चुकी हैं। छात्रों और शिक्षकों ने चेयरमैन गुप्ता को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर अपनी श्रद्धा और शुभकामनाएं प्रकट की।

राई। संस्थापक एवं चेयरमैन नानक चंद गुप्ता जन्मदिवस विद्यालय और कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ मनाते हुए।

जी 20 शिखर सम्मेलन में अक्षित दहिया ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

खरखौदा। साऊथ अफ्रीका में जी 20 युथ की एक अहम बैठक आयोजित हुई। जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व भारतीय जनता युवा मोर्चा हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष सेहरी निवासी अक्षित दहिया ने किया। जहाँ अलग - अलग देशों से आए प्रतिनिधियों के साथ दुनिया के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सभी प्रतिनिधियों ने दुनिया के विकास मे अपने - अपने देशों के योगदान के बारे में बताया। अक्षित दहिया ने मिडिया से बातचीत में कहा कि भारत की धरती हमारी सांझी विरासत है। हमें एकजुट होकर इसे बेहतर बनाने के लिए काम करना होगा। विकास की दौड़ में जो देश पीछे रह गए हैं, हमें उनकी मदद करनी है। उन्होंने कहा कि जो विकसित देश हैं उनसे हमें सिखना है। यही हमारी भारतीय परंपरा और मूल्य हैं। उन्होंने बताया की इस बैठक में उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत युवा रोजगार, विविधता और सामाजिक उधमिता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किस तरह प्रगति कर रहा है।

पोस्टमार्टम के लिए बोर्ड बनाने की मांग

सोनीपत। अधिकार सरंक्षण संघ द्वारा प्रदेश के स्वास्थ मंत्री अनिल विज को पत्र लिख कर पोस्टमार्टम प्रक्रिया को समयबद्ध और शीघ्र पूरा करने के लिये आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने की मांग रखी है। इस पत्र में जिला व उप जिला अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग भी उठाई गई। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयवीर सिंह ने बताया कि असामयिक मृत्यु अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु के मामलों में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में अत्यधिक विलंब किया जाता है। इससे मृतक के परिजनों को मानसिक एवं भावनात्मक कष्ट उठाना पड़ता है। शव लंबे समय तक पोस्टमार्टम हाउस में रखा रहने से धार्मिक संस्कारों व अंतिम क्रियाओं में बाधा उत्पन्न होती है। दूर-दराज से आए रिश्तेदारों को रुकने-ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति मृतक की गरिमा और मानवाधिकारों का भी हनन करती है।

अवैध हथियार सहित चार युवक गिरफ्तार

गोहाना। क्राइम इंवेस्टिगेशन एजेंसी गोहाना की पुलिस टीम ने अवैध हथियार के साथ चार युवक गिरफ्तार किए। आरोपितों की पहचान गांव बुटाना के मोहित, गांव बिचपड़ी के सुमित, गांव गंगाना के सुमित और गांव खेड़ी दमकन के विकास के रूप में हुई। उनसे रिवाल्वर व छह कारतूस बरामद किए। उप निरीक्षक रतन पुलिस टीम के साथ गांव खानपुर कलां के पास मौजूद थे। सूचना मिली कि एक गाड़ी में गांव गंगाना का सुमित व उसके साथी सवार हैं जिनके पास अवैध हथियार हैं और वे कासंडी की तरफ से आएंगे। पुलिस ने नाका लगाकर जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद गाड़ी आई तो पुलिस ने उसे रुकवाकर जांच की। गांव गंगाना के सुमित से सिक्सर रिवाल्वर व एक कारतूस बरामद किया। मोहित, सुमित व विकास से कारतूस बरामद किए गए। सोमवार को न्यायालय के आदेश पर आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा।

कार्यक्रम आज समाज में बेटियों की स्थिति सुधारने के लिए अभियान की आवश्यकता : सुनीता

आशा वर्कर्स यूनियन ने प्रदेश में जन जागरण अभियान चलाने का लिया निर्णय

कन्या भ्रूण हत्या और गिरते लिंगानुपात पर आशा वर्कर्स ने कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

यूनियन हरियाणा द्वारा जिला स्तर पर जागरूकता अभियान के तहत सेमिनार छोटू राम धर्मशाला में आयोजित किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता जिला प्रधान छवि पूनम और सविता ने संयुक्त रूप में की। सेमिनार में सर्व कर्मचारी संघ ज्ञान विज्ञान समिति, किसान सभा सीटू से संबंधित संगठन और चुने हुए पंचायत प्रतिनिधि ब्लॉक समिति मेंबर और जिला परिषद के उप चेयरमैन कल्पना, मोनू बाघडु और संजय बड़वासनी भी शामिल हुए।

सोनीपत। बैठक करते हुए आशा वर्कर्स।

मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

सभी चुने हुए जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारीयों ने कन्या भ्रूण हत्या से गिरते लिंगअनुपात को गहन सामाजिक बुराई का स्वरूप बताया है इस सामाजिक बुराई को रोकने के लिए जन जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता है हरियाणा सरकार ने कन्या भ्रूण हत्या को रोकने की पहल कदमी शुरू करते हुए आशा और आंगनवाड़ी वर्कर को गर्भवती महिला की सहेली नियुक्त किया है इससे पहले भी सरकार द्वारा अनेको स्कीम चला कर इस बुराई पर रोक लगाने के प्रयास किए हैं परंतु लगातार गिरता लिंगानुपात आज भी चिंता का विषय बना हुआ है सुनीता ने बताया कि आज समाज में बेटियों की जो स्थिति बनी हुई है उसे सुधारने के लिए जन जागरण अभियान की आवश्यकता है आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा ने इन विशेष परिस्थितियों को समझते हुए हरियाणा प्रदेश में जन जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। 1 सितंबर से पूरे हरियाणा में आशा वर्कर यूनियन चलाकर गांव - गांव तक अभियान को लेकर जाएगी और 26 सितंबर को कुरुक्षेत्र में इस कार्यक्रम की सामूहिक रिपोर्ट बनाकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

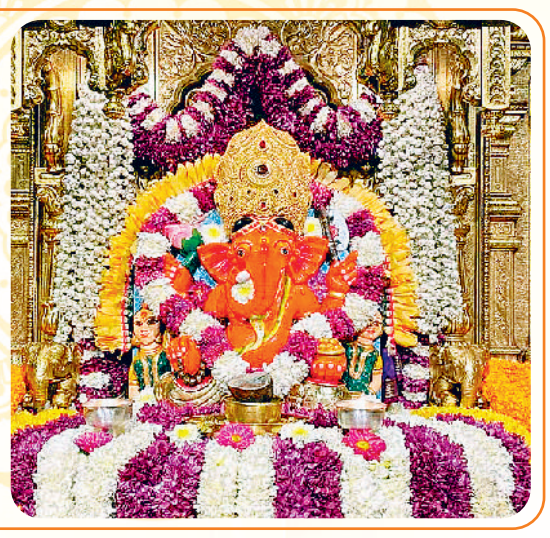

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

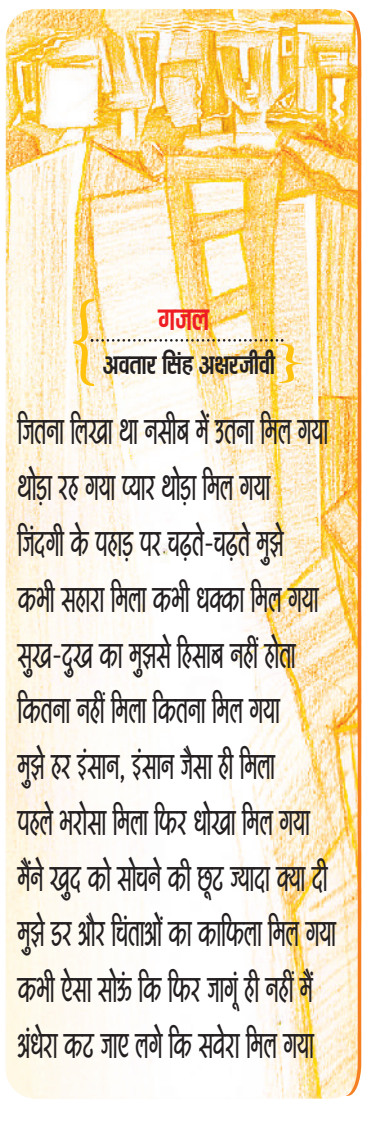

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

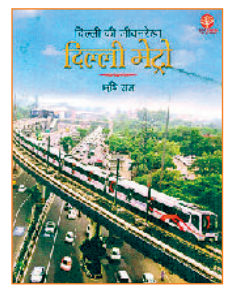

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

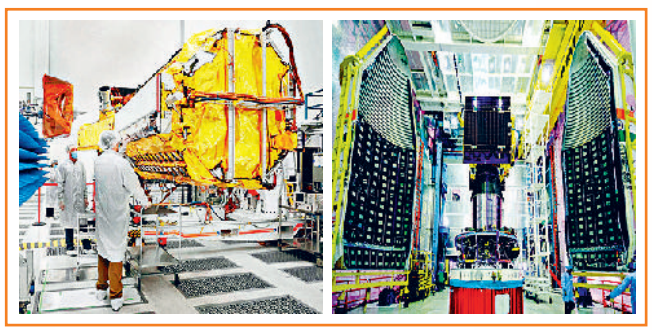

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

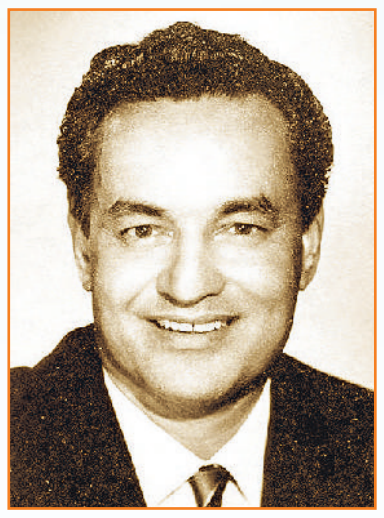

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *